हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बुधवार, 25 सितंबर 2019, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

बुमराह बाहर

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में दर्द के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला से बाहर हो गए हैं।

एआईसीटीई ने प्रणाली में बदलाव के लिए शुरू की पहल

तकनीकी संस्थानों में परीक्षा पैटर्न बदलेगा

तैयारी

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद 'एआईसीटीई' देश भर में तकनीकी परीक्षा प्रणाली में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। अब छात्रों से परीक्षा में इनोवेटिव सवाल पूछे जाएंगे। हालांकि इसे तत्काल रूप से अनिवार्य नहीं किया जाएगा।

इसे पहले एआईसीटीई देश भर के तकनीकी संस्थानों में परीक्षा प्रणाली में बदलाव पर वर्कशाप करेगा। यह बात एआईसीटीई के सदस्य सचिव डॉ. राजीव कुमार ने कही। उन्होंने बताया कि अभी तक केवल हरियाणा के तकनीकी संस्थानों ने ही बदला हुआ परीक्षा पैटर्न अपनाया है।

कार्य योजना के विस्तार व व्याख्या के प्रश्न हटेंगेः डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि प्रश्नपत्रों से बहुत से प्रश्न गायब हो जाएंगे। मसलन अभी छात्रों से सवाल में पूछा जाता है कि किसी मशीन या कार्य योजाना की विस्तार से व्याख्या कीजिए लेकिन अब व्याख्या व विस्तार से पूछने का तरीका हट जाएगा। उसकी जगह पर क्यों और कैसे जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए छात्रों का प्रश्न का संक्षेप में प्रभावी उत्तर देने के लिए कहा जाएगा। इसके पीछे एआईसीटीई की मंशा है कि छात्र रटने वाली पढ़ाई छोड़ इनोवेटिव तरीके से पढ़ें।

हर विषय का मॉडल पेपर जारीः हर विषय का एक मॉडल पेपर एआईसीटीई ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। तकनीकी संस्थान वहां से बदला हुआ परीक्षा पैटर्न देख सकते हैं। परीक्षा पैटर्न में बदलाव से शिक्षकों को भी रिसर्च पर जोर देना होगा, क्योंकि इसके बिना वह क्लास में ठीक से पढ़ा नहीं पाएंगे।

कॉलेजों के एनबीए ग्रेडिंग में मिलेगी मदद

डॉ. राजीव कुमार बताते हैं कि इस बदली हुए परीक्षा पैटर्न पर परीक्षाएं कराने से कॉलेजों को काफी फायदा होगा। इससे नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन (एनबीए) से ग्रेडिंग मिलने में आसानी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में छात्र बिना एनबीए ग्रेडिंग वाले कॉलेज से डिग्री हासिल करेगा तो अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी कोई अहमियत नहीं होगी। उनका विदेश में नौकरी करने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। अभी हाल ही में कुवैत में एनबीए से ग्रेडिंग प्राप्त कॉलेज की डिग्री न होने से 20 हजार भारतीय इंजीनियरों की नौकरी भारत सरकार के हस्पक्षेप से बची है।

अभी तक मात्र 17 प्रतिशत कॉलेजों ने ही कराया है ग्रेडिंग

डॉ. राजीव कुमार के मुताबिक 2022 तक देश के सभी तकनीकी संस्थानों को अपने यहां पर एनबीए ग्रेडिंग कराना अनिवार्य कर दिया गया है। अभी तक देश भर के 3500 तकनीकी संस्थानों में से 17 प्रतिशत संस्थानों ही एनबीए एक्रीडेशन कराया है जबकि आने वाले समय में बिना एनबीए एक्रीडेशन वाले कॉलेज से की गई डिग्री किसी योग्य नहीं होगी। उधर एआईसीटीई ने बीफार्मा पाठ्यक्रमों में संस्थानों को मान्यता देने पर दो साल की रोक लगा दी है। इसके पीछे उद्देश्य है कि इंजीनियरिंग कॉलेजों की तरह जरूरत से अधिक बीफार्मा कॉलेज भी न खुल जाएं।

परीक्षा प्रणाली में तकनीक से आएगा बदलावः कुलपति

एकेटीयू में मंगलवार को परीक्षा सुधार पर कार्यशाला में उपस्थित अतिथिगण।

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को परीक्षा सुधार पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य-सचिव प्रो. राजीव कुमार इसमें मुख्यवक्ता थे। वहीं अध्यक्षता कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने की।

एआईसीटीई के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार ने कार्यशाला में कहा कि उन्नत तकनीक ने हर एक विधा में गुणवत्ता सुधारने की उम्मीद जगा दी है। इसीलिए टीचिंग-लर्निंग के साथ ही अब परीक्षा प्रणाली में भी बदलावों की पहल हो चुकी है। उन्होंने कहा टेक्नोलॉजी, एक्जामिनेशन रिफॉर्म्स में एक बड़ा उपकरण साबित हो रही है।

कुलपति प्रो. पाठक ने कहा कि अब टेक्नोलॉजी परीक्षा प्रणाली में और भी अहम रोल अदा करेगी। कार्यक्रम में

एकेटीयू ने लगाया परिसर में प्लास्टिक पर प्रतिबंध

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने परिसर में पूरी तरह से पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यहां तक कि पीने के पानी के लिए प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल भी अब नहीं किया जाएगा। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने बताया कि पॉलीथीन का इस्तेमाल न करने के लिए सभी कॉलेजों को भी निर्देश जारी किए गए हैं। कुलपति के अनुसार सरकार ने पॉलीथीन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। इस देखते हुए परिसर समेत प्रदेश के सभी इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों के निदेशकों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वह अपने यहां पर पॉलीथीन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लागू करें। पेयजल के लिए प्लास्टिक की बोतल की बजाए दूसरे विकल्प चुनें। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजीव कुमार समेत कई विद्वतजन मौजूद रहे।